न्यूज़ टुडे

यूनाइटेड किंगडम में कैंसर रोगियों को तेजी से इलाज के लिए सिंगल इंजेक्शन के माध्यम से इम्यूनोथेरेपी दवाएं दी जाएंगी

यूनाइटेड किंगडम ने कैंसर के त्वरित उपचार के लिए घंटों तक चलने वाले पारंपरिक इंट्रावेनस (IV) ड्रिप (नसों में) की जगह 15 मिनट के इंजेक्शन के माध्यम से **निवोलुमैब** देने की एक तीव्र विधि अपनाई है। निवोलुमैब एक **इम्यूनोथेरेपी दवा** है।

इम्यूनोथेरेपी के बारे में

- **परिभाषा:** इम्यूनोथेरेपी एक प्रकार की **जैविक चिकित्सा** है। यह कैंसर जैसी बीमारियों से लड़ने के लिए **किसी व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली (immune system)** के घटकों का उपयोग करती है।
  - **जैविक चिकित्सा:** उपचार की इस विधि में कैंसर को लक्षित करने और उसका इलाज करने के लिए **जीवित जीवों से प्राप्त पदार्थों** का उपयोग किया जाता है।
  - **कीमोथेरेपी:** इसके विपरीत, कीमोथेरेपी **सीधे कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करके** उनकी वृद्धि और प्रसार को रोकती है, लेकिन यह स्वस्थ कोशिकाओं को भी नुकसान पहुंचाती है।
- **इम्यूनोथेरेपी कैसे काम करती है?**
  - **प्रतिरक्षा प्रणाली को उत्तेजित करना:** इससे प्रतिरक्षा तंत्र कैंसर कोशिकाओं को पहचानने और उन पर हमला करने में अधिक मेहनत या समझदारी से काम कर सकेगा। उदाहरण के लिए- **इम्यूनोमॉड्युलेटर।**
  - **प्रयोगशाला में प्रतिरक्षा प्रणाली के घटकों का निर्माण:** इससे कैंसर कोशिकाओं को खोजने और उन्हें नष्ट करने की प्रतिरक्षा प्रणाली की क्षमता को बहाल किया जाता है या बेहतर बनाया जाता है। उदाहरण के लिए- मोनोक्लोनल एंटीबॉडी।

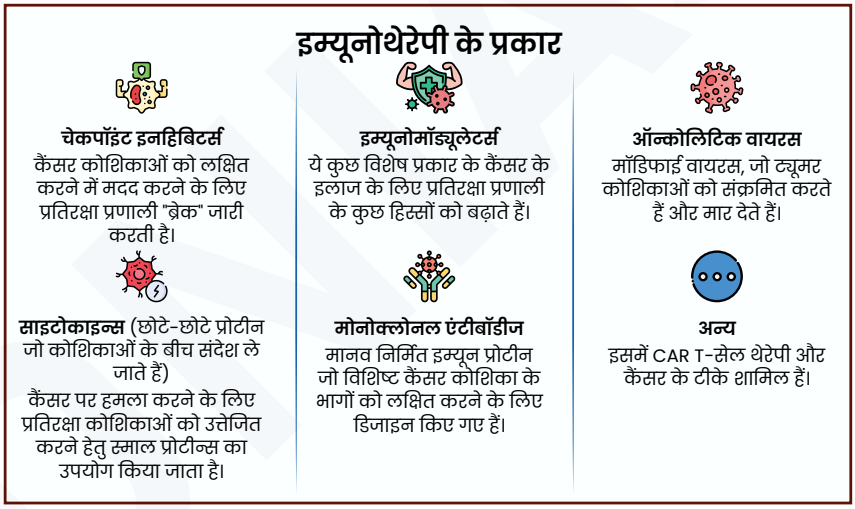

इम्यूनोथेरेपी के लाभ

- **सटीकता (Precise):** प्रतिरक्षा प्रणाली स्वस्थ कोशिकाओं को बचाते हुए कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करती है।
- **गतिशील (Dynamic):** यदि ट्यूमर का पता नहीं चल पाता है तो यह नए हमले शुरू करने के लिए अनुकूलन और पुनर्मूल्यांकन करती है।
- **स्मरण:** प्रतिरक्षा प्रणाली की स्मृति इसे बार-बार होने वाले कैंसर को पहचानने और खत्म करने में सक्षम बनाती है।

इम्यूनोथेरेपी के नुकसान

- उच्च चयनात्मकता के कारण **"इम्यून सप्रेशन"** और **"इम्यून एक्सक्लूशन"** ट्यूमर्स के लिए कम प्रभावी हो जाती है।
- इसकी **प्रभावशीलता अलग-अलग व्यक्तियों में अलग-अलग** होती है। इससे रोगी के जीवित रहने की दर और रोग का निदान अनिश्चित हो जाता है।
- **उपचार की लागत अधिक है।**

प्रधान मंत्री ने केरल में विझिंजम (विड़िणम) अंतर्राष्ट्रीय डीपवाटर बहुउद्देशीय समुद्री पत्तन का उद्घाटन किया

8,800 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विझिंजम पोर्ट **भारत का पहला समर्पित कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट** है।

- **ट्रांसशिपमेंट पोर्ट** में टर्मिनल भी शामिल होते हैं, जहां कार्गो कंटेनर्स को उनके अंतिम गंतव्य तक पहुंचने से पहले एक जहाज से दूसरे जहाज में स्थानांतरित किया जाता है।
- भारत **महाराष्ट्र के पालघर जिले के वधावन में एक डीपवाटर पोर्ट** विकसित कर रहा है। साथ ही, **अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में ग्रेट निकोबार द्वीप पर एक और मेगा ट्रांसशिपमेंट पोर्ट** प्रस्तावित है।

विझिंजम पोर्ट

- इसे डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण ("DBFOT") आधार पर सार्वजनिक-निजी **भागीदारी (PPP) घटक के साथ लैंडलॉर्ड मॉडल** के तहत विकसित किया गया है।
  - लैंडलॉर्ड मॉडल के तहत, **बंदरगाह का स्वामित्व और नियंत्रण 'पोर्ट अथॉरिटी' के पास** रहता है, लेकिन वास्तविक **कार्गो हैंडलिंग एवं टर्मिनल का संचालन आमतौर पर निजी ऑपरेटरों को पट्टे** पर दिया जाता है।
- यह भारत में **पहली ग्रीनफील्ड बंदरगाह परियोजना है, जिसे PPP मोड के तहत राज्य सरकार** द्वारा शुरू किया गया है।
- **महत्त्व:**
  - **रणनीतिक अवस्थिति: यूरोप, फारस की खाड़ी और सुदूर पूर्व को जोड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय पूर्व-पश्चिम पोत परिवहन मार्ग** के नजदीक।
  - **डीप ड्राफ्ट:** लगभग **20 मीटर का प्राकृतिक गहरा ड्राफ्ट** जिसके लिए किसी बड़े ड्रेजिंग की आवश्यकता नहीं होती।
  - **घुमावदार तट:** इससे सुनामी के प्रभाव कम होंगे एवं बंदरगाह के रखरखाव की लागत भी कम आएगी।

ट्रांसशिपमेंट हब की आवश्यकता

- **विदेशी निर्भरता:** वर्तमान में, भारत के लगभग 75% **ट्रांसशिपमेंट कार्गो** को भारत के बाहर के बंदरगाहों, विशेष रूप से **कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग** पर संभाला जाता है।
- **राजस्व:** प्रति कंटेनर लागत में 80-100 डॉलर की कमी और 200-220 मिलियन डॉलर वार्षिक संभावित आय हानि में कमी आने की उम्मीद है।
- **समुद्री अवसंरचना:** यह **पीएम गति शक्ति व राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और मेरीटाइम अमृत काल विज़न 2047** के अनुरूप है।

कर्नाटक सरकार ने हेसरघट्टा घासभूमि संरक्षण रिजर्व को अधिसूचित किया

कर्नाटक सरकार ने **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (WPA) 1972 की धारा 36A** के तहत हेसरघट्टा घासभूमि संरक्षण रिजर्व को अधिसूचित किया है।

संरक्षण रिजर्व

- संरक्षण रिजर्व को **WPA, 1972 के तहत संरक्षित क्षेत्र** माना जाता है। इसे **राज्य सरकारों और केंद्र सरकार** द्वारा भू-परिदृश्य, समुद्री-परिदृश्य, वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए घोषित किया जा सकता है।
- ये आमतौर पर देश के स्थापित **राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और रिजर्वड एवं संरक्षित वनों के बीच बफर जोन या कनेक्टर एवं प्रवास हेतु गलियारों** के रूप में कार्य करते हैं।
- **विनियमन:** राज्य सरकार द्वारा गठित **संरक्षण रिजर्व प्रबंधन समिति,** मुख्य वन्यजीव वार्डन को सलाह देती है।

हेसरघट्टा घासभूमि के बारे में

- यह **बेंगलुरु के निकट हेसरघट्टा झील** के आसपास स्थित है तथा बेंगलुरु क्षेत्र की आखिरी बची घासभूमि है।
  - घासभूमियां वस्तुतः **गर्म व शुष्क जलवायु युक्त घास की अधिकता वाले** खुले क्षेत्र होते हैं। ये विश्व स्तर पर सबसे व्यापक रूप से मौजूद **स्थलीय बायोम** में से एक हैं।
  - घासभूमियां **वैश्विक भू-क्षेत्र के 20-40% तथा भारत के भौगोलिक क्षेत्र के लगभग 24%** भाग पर फैली हुई हैं।
  - वैश्विक स्तर पर इन्हें **उष्णकटिबंधीय सवाना, शीतोष्ण घासभूमियां और स्टेपीज़** के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- **महत्त्व:**
  - यह **तेंदुए, भारतीय लोमड़ी, स्मूथ कोटेड ऑटर और प्रवासी पक्षियों** आदि सहित जैव विविधता संपन्न क्षेत्र है।
  - यह **भूजल स्तर का पुनर्भरण करने के लिए जलग्रहण क्षेत्र** के रूप में कार्य करता है।
  - यह स्पंज की तरह काम करते हुए वर्षा के जल को रोके रखने में मदद करता है।
  - इसमें **अर्कावती नदी, तिप्पगोंडानहल्ली जलाशय और हेसरघट्टा झील** का बड़ा जलग्रहण क्षेत्र शामिल है।

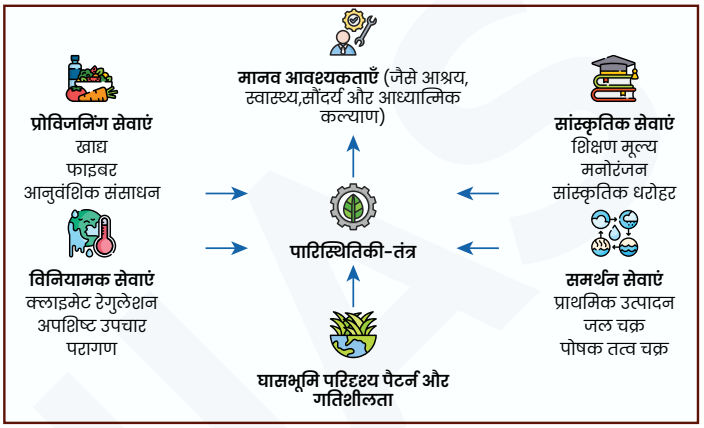

प्रधान मंत्री ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में 58,000 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं का उद्घाटन किया

प्रधान मंत्री ने अमरावती में **राज्य विधान सभा, उच्च न्यायालय, सचिवालय** सहित कई अवसंरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

- उन्होंने आंध्र प्रदेश के **नागयालंका में 'नवदुर्गा परीक्षण रेंज'** की भी आधारशिला रखी। यहां से भविष्य में मिसाइलों का परीक्षण किया जाएगा।

अमरावती के बारे में:

- यह **आंध्र प्रदेश की राजधानी है।**
- अमरावती **कृष्णा नदी के तट पर स्थित एक ग्रीनफील्ड शहर** है यानी इसे नया बसाया गया है। यह शहर राज्य के **गुंटूर जिले** में स्थित है।
- अमरावती को आंध्र प्रदेश की **राजधानी बनाने की परियोजना की शुरुआत 2014** में हुई थी।
  - गौरतलब है कि 2014 में **आंध्र प्रदेश को विभाजित करके** अलग राज्य के रूप में **तेलंगाना का गठन** किया गया था।

अमरावती की बौद्ध विरासत:

- **अमरावती स्तूप:** दूसरी शताब्दी ई.पू. का यह स्तूप भारत के प्राचीनतम बौद्ध स्मारकों में से एक है। अभिलेख में इसे **'महाचैत्य' (महान स्तूप)** कहा गया है।
- **बुद्ध के उपदेशों का प्रसार:** माना जाता है कि इसी स्थान पर गौतम बुद्ध ने **"कालचक्र" (समय का चक्र)** का प्रथम उपदेश दिया था।
- **आचार्य नागार्जुन का निवास स्थान:** कहा जाता है कि **आचार्य नागार्जुन यहीं के निवासी थे। वे माध्यमिक दर्शन (Madhyamika philosophy)** के प्रवर्तक थे।
  - यह दर्शन **महायान बौद्ध धर्म का आधार** है।
- **चीनी यात्री:** चीनी यात्री **ह्वेनसांग (602–664 ई.)** ने सातवीं शताब्दी में भारत यात्रा के दौरान अमरावती की भी यात्रा की थी। यहां से उसने **पवित्र ग्रंथ** एकत्र किए थे।

अमरावती की अन्य ऐतिहासिक विरासतें

- **अर्थ:** अमरावती का अर्थ है- **अनन्त का निवास।**
- **सातवाहन वंश की राजधानी:** यह शहर **प्रथम सदी के मध्य से तीसरी सदी के प्रारंभ तक सातवाहन राजवंश की राजधानी** रहा था।
- **श्री अमरालिंगेश्वर स्वामी मंदिर:** यह **भगवान शिव** का मध्य काल का मंदिर है।
- **अमरावती कला शैली:** अमरावती में एक स्वतंत्र कला शैली विकसित हुई, जो **गांधार और मथुरा कला शैलियों** के समकक्ष मानी जाती है।

अमरावती कला शैली की विशेषताएं:

- **वर्णनात्मक शैली:** इस कला शैली की मूर्तियां **बुद्ध के जीवन की कहानियों** को दर्शाती है।
- **जीवंत शैली:** इस शैली की **सजीव व भावपूर्ण नक्काशियां** बौद्ध कथाओं को जीवंत बनाती हैं।
- **प्राकृतिक प्रस्तुति:** इस शैली में **यथार्थवादी दृश्यों** को चित्रित किया गया है, जो दृश्य के आकर्षण को बढ़ाते हैं।
- **स्थापत्य तत्व:** ये मुख्यतः स्तूपों की रेलिंग, चबूतरे व अन्य भागों पर मुख्य रूप से देखे जाते हैं।
- **निर्माण के लिए इस्तेमाल सामग्री: सफेद संगमरमर** जैसे पत्थर से निर्मित। ये सामग्रियां नक्काशी को गहराई और सौंदर्य प्रदान करती हैं।
  - **उदाहरण:** अमरावती शैली में बनाई गई **नागार्जुनकोंडा की बुद्ध प्रतिमा।**

पश्चिमी (पछुआ) विक्षोभ के कारण दिल्ली NCR क्षेत्र में भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी भारत में **पश्चिमी विक्षोभ** के कारण भारी बारिश और तेज हवाएं देखने को मिली।

- **पश्चिमी विक्षोभ की आवृत्ति में वृद्धि** हुई है, जो सीधे तौर पर जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हुई है।

पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbances) के बारे में

- पश्चिमी विक्षोभ **बहिरुष्णकटिबंधीय (Extratropical) तूफान होते हैं, जो ध्रुवीय और उष्णकटिबंधीय पवनों के बीच परस्पर क्रिया से बने कम दबाव वाले क्षेत्रों** के कारण उत्पन्न होते हैं।
  - ये **उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम से संबंधित हैं, जो हिमालय और तिब्बती उच्चभूमि के ऊपर वायुमंडल** में प्रवाहित होती हैं।
    - यह **जेट स्ट्रीम** वायुमंडल में अधिक ऊंचाई पर तेज गति से बहने वाली वायु धारा है, जो **पश्चिम से पूर्व** की ओर बहती है।
- पश्चिमी **विक्षोभ कैस्पियन सागर या भूमध्य सागर क्षेत्र** में उत्पन्न होते हैं। ये **हिंदू कुश, काराकोरम और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में अचानक शीतकालीन वर्षा** करते हैं।
- **विशेषताएं:**
  - यह एक **गैर-मानसूनी वर्षण है, जो पछुआ पवनों** द्वारा संचालित होती है।
  - ये अधिकतर **बोरियल शीतकाल (दिसंबर से मार्च)** के दौरान सबसे अधिक सामान्य होते हैं।
  - इसके परिणामस्वरूप शीत लहरें, कोहरा, हिमस्खलन, भूस्खलन, बिजली गिरना और भारी वर्षा होती है।
    - उदाहरण के लिए- **जून 2013 में उत्तराखंड में आई बाढ़।**
  - **महत्त्व:** शीतकालीन वर्षा जल सुरक्षा और कृषि, विशेषकर **रबी फसलों के लिए महत्वपूर्ण** होती है।

जलवायु परिवर्तन और पश्चिमी विक्षोभ

- वैश्विक तापमान में वृद्धि और इसके चलते उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के प्रबल होने के कारण **पश्चिमी विक्षोभ की आवृत्ति में वृद्धि** हुई है।
- **सर्दियों के मौसम के अलावा अन्य मौसम पर पड़ने वाले प्रभाव** के कारण भारी वर्षा एवं बाढ़ जैसी चरम मौसमी घटनाओं में वृद्धि होती है।
- **अरब सागर** के तेजी से गर्म होने के कारण **पश्चिमी विक्षोभ में आर्द्रता की मात्रा बढ़** रही है।
- **उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम के विस्तार के कारण पश्चिमी विक्षोभ का भी विस्तार** हो रहा है।

अन्य सुर्ख़ियां

ट्रिपल टेस्ट

झारखंड सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) आबादी पर आंकड़े एकत्र किए हैं। यह स्थानीय निकायों में OBC को आरक्षण देने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित **"ट्रिपल टेस्ट" की पहली कड़ी** है।

ट्रिपल टेस्ट के बारे में

- **ट्रिपल टेस्ट की अवधारणा 2021 में विकास किशनराव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य** मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित की गई थी।
- **ट्रिपल टेस्ट के तीन चरण इस प्रकार हैं:**
  - इस उद्देश्य के लिए एक **अलग आयोग गठित** किया जाएगा। यह आयोग स्थानीय निकाय क्षेत्र में किसी वर्ग के **पिछड़ेपन की प्रकृति और आरक्षण के पड़ने वाले प्रभावों पर गहन अध्ययन** करके डेटा जुटाएगा।
  - आयोग की सिफारिशों के आधार पर **आवश्यक आरक्षण का प्रतिशत निर्धारित** किया जाएगा।
  - यह सुनिश्चित करना होगा कि **अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), और OBC के लिए आरक्षण मिलाकर कुल सीटों का 50% से अधिक न** हो।

ब्लैक होल बम

वैज्ञानिकों ने **पहली बार "ब्लैक होल बम" की प्रयोगशाला में प्रतिकृति (analog) तैयार** की है। यह एक सैद्धांतिक अवधारणा है, जिसे **1971 में भौतिकशास्त्री याकोव ज़ेल्डोविच (Yakov Zel'dovich)** ने प्रस्तावित किया था।

ब्लैक होल बम के बारे में:

- **अवधारणा:** यह विचार एक **घूर्णनशील ब्लैक होल की विशेष रूप से एर्गोस्फीयर में अत्यधिक घूर्णी-ऊर्जा** का उपयोग करता है। एर्गोस्फीयर में ब्लैक होल की घूर्णन गति पास की **कणीय-तरंगों को और अधिक ऊर्जा** प्रदान करती है।
  - एर्गोस्फीयर वास्तव में ब्लैक होल के **इवेंट होराइजन के ठीक बाहर का क्षेत्र** है।
- **प्रक्रिया:** ज़ेल्डोविच ने कल्पना की थी कि यदि एक **अत्यंत तीव्र गति से घूमता हुआ बेलनाकार पिंड (cylinder) किसी तरंग (wave) से टकराता** है, तो वह उस **तरंग की ऊर्जा को बढ़ा सकता है,** विशेष रूप से जब वह उससे परावर्तित होती है।
- **ज़ेल्डोविच प्रभाव (Zel'dovich Effect):** यह तब उत्पन्न होता है, जब कोई घूमता हुआ पिंड उस वेग से अधिक गति से घूमता है, जिस वेग में तरंगें उस ओर आ रही हैं। परिणामस्वरूप, तरंगों की आवृत्ति और ऊर्जा बढ़ जाती है। यह **प्रभाव डॉप्लर प्रभाव** के समान है, लेकिन ऐसा **गति नहीं, बल्कि घूर्णन** के कारण होता है।

गरिमा के साथ आयुवृद्धि (Ageing with Dignity) के लिए पहलें

देश की राष्ट्रपति ने **'गरिमा के साथ आयुवृद्धि–वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु पहलें"** ('Ageing with Dignity - Initiatives for the Welfare of Senior Citizens)' कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई पहलों का शुभारंभ किया।

शुरू की गई पहलें:

- **वरिष्ठ नागरिक कल्याण पोर्टल:** यह एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है। यह वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाओं, स्वास्थ्य-देखभाल के लाभों और कल्याणकारी सेवाओं की प्राप्ति को आसान बनाता है।
- **वरिष्ठ नागरिक आवास:** यह केंद्रीय **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** के कार्यक्रम के तहत समर्थित है। यह पहल **'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम'** (MWPSC Act) के अनुरूप है।
- **ब्रह्मकुमारी संस्था के साथ समझौता ज्ञापन (MoU):** इसका उद्देश्य **भावनात्मक संतुलन, आत्मचिंतन (mindfulness), और पीढ़ियों के बीच आपसी संबंध** को बढ़ावा देना है।

माइटोकॉन्ड्रियल DNA (mtDNA)

हाल ही में वैज्ञानिकों ने **PZL-A नामक एक सूक्ष्म अणु** खोजा है। यह एक प्रमुख **माइटोकॉन्ड्रियल एंजाइम** को लक्षित करता है, और यह mtDNA म्यूटेशन से होने वाले दुर्लभ अनुवांशिक विकारों के इलाज के लिए संभावित उपचार प्रदान कर सकता है।

माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए (mtDNA) के बारे में

- **उपस्थिति:** माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए एक **वृत्ताकार गुणसूत्र** है, जो **माइटोकॉन्ड्रिया** के भीतर पाया जाता है। यह **कोशिकाओं में ऊर्जा उत्पादन करने वाला अंगक** (organelle) होता है।
- **mtDNA की विशेषताएं**
  - **स्वयं का DNA:** माइटोकॉन्ड्रिया एकमात्र अंगक है, जिसमें नाभिकीय DNA से अलग अपना स्वयं का आनुवंशिक पदार्थ होता है।
  - **मातृ वंशागति:** mtDNA केवल **माता से ही वंशानुक्रम** में प्राप्त होता है, न कि पिता से।
- **माइटोकॉन्ड्रियल रोग का उपचार:** माइटोकॉन्ड्रियल रिप्लेसमेंट थेरेपी (MRT) के तहत उत्परिवर्तित mtDNA को स्वस्थ माइटोकॉन्ड्रियल DNA से प्रतिस्थापित किया जाता है।
  - इसे **इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) से पहले या बाद** में संपन्न किया जा सकता है।

रम्माण उत्सव

रम्माण उत्सव वर्तमान में उत्तराखंड में मनाया जा रहा है। यह उत्सव यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल है।

रम्माण उत्सव के बारे में:

- यह वार्षिक उत्सव अप्रैल के अंत में, फसल कटाई के बाद उत्तराखंड के सलूड़-डुंगरा नामक जुड़वां गांवों में मनाया जाता है।
- धार्मिक महत्त्व: यह उत्सव गांव के क्षेत्रपाल भूमियाल देवता के सम्मान में आयोजित किया जाता है।
- मुख्य विशेषताएं:
  - इसमें विधि-विधान वाले धार्मिक अनुष्ठान होते हैं।
  - रामायण की स्थानीय प्रस्तुति और पाठ तथा मुखौटा पहनकर नृत्य एवं गीतों का प्रदर्शन किया जाता है।
  - इन प्रस्तुतियों का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू जागर गायन है। ये गीत लोक देवी या देवताओं की कहानियों का बखान करते हैं।

ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI/ सेबी) ने निवेशकों को ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से लेन-देन करने के प्रति सचेत किया है।

ओपिनियन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स के बारे में

- अवधारणा: ये प्लेटफॉर्म्स प्रतिभागियों को किसी भी खेल, राजनीतिक स्थिति, मौसम या क्रिप्टो घटनाओं पर अपने पूर्वानुमानों में निवेश करके पैसा कमाने का विकल्प देते हैं:
  - प्रतिभागी अपने पूर्वानुमानों के आधार पर किसी भी घटना पर दांव लगा सकते हैं।
  - यदि पूर्वानुमान सही निकलता है, तो प्रतिभागी को धन मिलता है, तथा यदि पूर्वानुमान गलत होता है, तो उसे हार का सामना करना पड़ता है।
- कानूनी स्थिति: यह सेबी द्वारा विनियमित नहीं है, क्योंकि इसके तहत जिन वस्तुओं का कारोबार किया जा रहा है वे भारतीय कानून के तहत प्रतिभूतियों के रूप में वर्गीकृत नहीं हैं।
- अर्थव्यवस्था: इन प्लेटफॉर्म्स ने 5 करोड़ से अधिक लोगों के उपयोगकर्ता आधार के साथ प्रति वर्ष 50,000 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन दर्ज किया है।

RBI द्वारा विनियमित बाजार

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा विनियमित बाजारों के व्यापार और निपटान समय की व्यापक समीक्षा हेतु गठित एक कार्य समूह ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- RBI भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934; विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 2000; सरकारी प्रतिभूति अधिनियम, 2006; तथा भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के तहत निम्नलिखित बाजारों का विनियमन करता है:
  - मनी मार्केट: कॉल मनी, मार्केट रेपो, ट्राई-पार्टी रेपो (TREP) आदि।
  - सरकारी प्रतिभूति बाज़ार: दीर्घकालिक प्रतिभूतियां (Dated Securities), ट्रेजरी बिल्स (T-Bills), राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां आदि।
  - विदेशी मुद्रा बाज़ार: स्पॉट, फॉरवर्ड, स्वैप इत्यादि।
  - डेरिवेटिव बाजार: ब्याज दर, विदेशी मुद्रा, और क्रेडिट पर आधारित डेरिवेटिव्स।

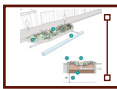

बायोस्वेल

बायोस्वेल एक प्रभावशाली प्रकृति-आधारित समाधान (NBS) है। इसे जैव विविधता को बढ़ावा देने और शहरी परिदृश्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ वर्षा जल अपवाह को प्रबंधित करने में भी मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

बायोस्वेल के बारे में:

- अवधारणा: ये उथली व वनस्पतियुक्त गड्ढेनुमा क्यारियां होती हैं, जो जल के अपवाह को रोकने एवं फ़िल्टर के लिए बनाई जाती हैं।
- कार्य: ये अपरदन को नियंत्रित करने, प्रदूषकों को कम करने और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।
- डिजाइन: आमतौर पर पानी को फ़िल्टर करने में सहायता के लिए इनमें देशी पौधे लगाए गए हैं तथा बजरी और रेत को भरा जाता है।
- लाभ: वर्षा जल अपवाह प्रबंधन में सुधार, बाढ़ में कमी, तथा स्थानीय जैव विविधता में वृद्धि।
- अवस्थिति: इस विधि का आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में सड़कों, पार्किंग स्थलों और छतों से बहते पानी के प्रबंधन के लिए उपयोग किया जाता है।
- किस्में: क्षेत्र और वर्षा के पैटर्न के आधार पर आकार, आकृति एवं इनकी गहराई में भिन्नता हो सकती है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

चिली (राजधानी: सैंटियागो)

दक्षिणी चिली में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया। इस कारण सुनामी की चेतावनी जारी की गई।

भौगोलिक अवस्थिति

- यह दक्षिण अमेरिका महाद्वीप के पश्चिमी समुद्र तट पर स्थित है।
- सीमाएं: इसकी सीमाएं उत्तर में पेरू और बोलीविया तथा पूर्व में अर्जेंटीना से लगती हैं।
- इसके पश्चिम में प्रशांत महासागर अवस्थित है।
- अर्जेंटीना-चिली सीमा दक्षिण अमेरिका महाद्वीप की सबसे लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा है। साथ ही, यह कनाडा-संयुक्त राज्य अमेरिका सीमा और कजाकिस्तान-रूस सीमा के बाद दुनिया की तीसरी सबसे लंबी सीमा है।

भौगोलिक विशेषताएं:

- इस देश में एंडीज पर्वतमाला भू-परिदृश्य का प्रभुत्व है।
- अटाकामा रेगिस्तान: यह दुनिया का सबसे शुष्क गैर-ध्रुवीय शीत मरुस्थल है।
- पेसिफिक रिंग ऑफ फायर में स्थित होने के कारण चरम प्राकृतिक घटनाएं (जैसे ज्वालामुखी प्रस्फुटन, प्रबल भूकंप और सुनामी आदि) घटित होती हैं।
- सबसे ऊंची चोटी: ओजोस डेल सलाडो, विश्व का सबसे ऊंचा सक्रिय ज्वालामुखी है।

आर्थिक महत्त्व:

- यह विश्व का शीर्ष तांबा उत्पादक देश है।
- यह अर्जेंटीना और बोलीविया के साथ "लिथियम ट्रायंगल" का हिस्सा है।